राष्ट्रीय कृषि विज्ञान योजना – रफ्तार में विश्वविद्यालय की पहल

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना – रफ्तार के बारे में एग्रीबिजनिस इन्क्यूबेटर को विश्वविद्यालय में स्थापित करने के लिये एक बैठक का आयोजन आज दिनांक 14.11.2018 को कुलपति सभागार में आयोजित किया गया। इस योजना के तहत विश्वविद्यालय को 3 करोड़ रू. तक की परियोजनायें बनाकर विभाग को प्रस्ताव को बनाने को कहा गया। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की परियोजनायें पूर्व से संचालित हो रही है और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत विश्वविद्यालय को अधोसंरचना विकास को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हुई है। माननीय कुलपति जी डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल द्वारा बैठक में यह भी कार्ययोजना तैयार की गई कि परियोजना का प्रस्ताव निम्नलिखित क्षेत्र में तैयार किये जायेंगे।

1. **क्षेत्र विशिष्ट खनिज संमिश्रण** जो कि पशु पोषण विभाग, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा कई वर्षो के अनुसंधान स्वरूप स्थापित किया गया। इसमें संयंत्र स्थापित करने का कहा गया। मिनरल मिक्चर के संयंत्र स्थापित होने से मध्य प्रदेश में कई क्षेत्रों में पशुओं में खनिज लवणों की कमी को पूरा किया जा सकेगा और इसमें जबलपुर/महू एवं रीवा महाविद्यालयों के विशेषज्ञों द्वारा परियोजना का प्रस्ताव बनाने में सहयोग लिया जावेगा। जबलपुर महाविद्यालय इस परियोजना का लीड सेंटर के रूप में कार्य करेगा।
2. मत्स्य बीज की हैचरी तैयार करने के लिये तालाब एवं जलस्त्रोत पर परियोजना हेतु प्रस्ताव तैयार किया जावेगा। मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा जो की नीव का पत्थर साबित होगा। इस प्रस्ताव को मत्स्य विज्ञान विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया जा रहा है।
3. जैविक खेती का प्रचार– फीड, मैनुयोर, वर्मी कम्पोस्ट, बायो फर्टिलाइजर, सॉलिड वेस्ट एवं हर्बल एक्ट्रेक्ट के क्षेत्र में परियोजना का प्रस्ताव तैयार करेंगे तथा यह प्रस्ताव प्रक्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा तैया किया जायेगा।
4. मिल्किंग संयंत्र और थोक दूध शीतलन केन्द्रों की स्थापना एवं दुग्ध प्रसंस्करण इकाई का आधुनीकरण के भी प्रस्ताव भेजे जावेंगे।
5. उपरोक्त परियोजनाओं के प्रस्ताव 30 नवम्बर तक भारत सरकार को प्रस्तुत किये जायेंगे। इस बैठक में डॉ. एस.एन.एस. परमार, डॉ. आर.पी.एस. बघेल, डॉ. जोशी, डॉ. सुनील नायक, डॉ. आर.के. शर्मा व अन्य उपस्थित थे।